



बिहार की महिलाएं 112 डायल कीजिये और सेफ हो जाइये

पूरे सफर में पुलिस करेगी सुरक्षा, डीजीपी ने की ERSS की शुरुआत

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ
पटना, महिला की सुरक्षा को लेकर बिहार पुलिस की नई पहल सुरक्षित सफर सुविधा योजना के तहत महिलाओं को पूरे सफर के दौरान सुरक्षा देगी. बिहार पुलिस की सुरक्षित सफर सुविधा की आज डीजीपी आलोक राज ने शुरुआत की है. डीजीपी ने बताया कि इस सुविधा की शुरुआत आज से पटना, भागलपुर, मुजफ्फरपुर, गया, बेगूसराय और नालंदा में आज से की गई है, मगर इसी महीने 15 सितंबर से संपूर्ण बिहार में यह सुविधा सभी जिलों की महिलाओं को मिलनी शुरू हो जाएगी. ईआरएसएस सुविधा की शुरुआत करने के बाद DGP आलोक राज ने Emergency Response Support System के उस



कंट्रोल रूम का भी निरीक्षण किया रही है. DGP और ERSS की महिलाएं इस सुविधा का लाभ कैसे उठा सकती हैं. शीला ईरानी के

मुताबिक, सबसे पहले आपको डायल 112 पर कॉल करना होगा. इसके बाद आपको अपने बारे से पूरी जानकारी देनी होगी कि आप कौन हैं और कहां से हैं और कहाँ जाना है. आप जिस ऑटो या गाड़ी में सफर कर रही हैं उस गाड़ी का नंबर और अगर संभव हो तो ड्राइवर का डिटेल भी अपने मोबाइल नंबर से दें.एसपी शीला ईरानी ने आगे बताया कि इसके बाद आप को एक सीक्रेट कोड ERSS यानी कि डायल 112 से मिलेगा. इसके बाद आपसे हर पंद्रह मिनट पर डायल 112 से संपर्क किया जाएगा और आपसे यह पूछा जाएगा कि आपकी यात्रा सुरक्षित तो हैं ना अगर आपने ना में जवाब दिया तो तत्काल उस रास्ते पर तैनात डायल 112 में डियूटी पर कार्यरत पुलिसकर्मियों को आपके पास भेज दिया जाएगा और आपकी यात्रा के

दौरान हुई परेशानियों को समझा जाएगा. इसमें अगर आपको कोई पीछा कर रहा है या आपके वहन का चालक कुछ गलत कर रहा है तो तत्काल उसे गिरफ्तार कर कानूनी कारवाई की जाएगी. अगर आपको आपके सफर के दौरान कोई परेशानी नहीं हुई और आप सुरक्षित अपने गंतव्य स्थान पर पहुंच गई तो इसकी सूचना आपको डायल 112 को दे देना होगा. इधर, DGP आलोक राज ने बेहद कम समय में इस नई सुविधा की सफलतापूर्वक शुरुआत करवाने के लिए ERSS की स्कशीला ईरानी की जमकर तारीफ भी की. डीजीपी आलोक राज ने कहा कि मेरी इस महिला ऑफिसर ने महिलाओं की सुरक्षा का बीड़ा पूरी मजबूती से उठा रखा है, ये हम लोगों के लिए गर्व की बात है.

पिछले 10 वर्षों में बने पुल-पुलियों की होगी जांच

जल संसाधन विभाग का बड़ा फैसला गड़बड़ी करने वालों पर गिरेजी गाज

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ
पटना, बिहार में लगातार पुल गिरने की घटना के बाद जल संसाधन विभाग ने पुल-पुलिया की जांच करवाई थी. जांच में करीब 700 पुल-पुलिया लावारिस मिले हैं. किस विभाग ने इनका निर्माण कराया है, इसका पता नहीं चल रहा है. नीतीश सरकार ने वर्ष 2014 में ही यह व्यवस्था की थी कि पुल-पुलिया के निर्माण से पहले जल संसाधन विभाग से एनओसी लेना होगा, लेकिन इसका पालन नहीं किया गया है. पथ निर्माण विभाग ने भी सभी पुलों की ऑडिट कराई है. पुल निर्माण निगम ने 1700 पुलों की ऑडिट की है. बड़े पैमाने पर पुल पुलियों के जर्जर होने की खबर है. जल संसाधन विभाग के अपर मुख्य सचिव की अध्यक्षता में



बैठक में यह फैसला हुआ है.बिहार में पिछले 10 साल में बने सभी पुल-पुलियों की जांच के लिए जल संसाधन विभाग ने अपने सभी क्षेत्रीय अधिकारियों से रिपोर्ट भेजने के लिए कहा है. पुल-पुलियों के साथ अन्य जितनी भी

संरचनाओं का निर्माण किया गया है, सभी की जांच की जाएगी. इसकी जिम्मेवारी सभी क्षेत्रीय मुख्य अभियंता, अधीक्षण अभियंता के अलावा केंद्रीय रूपांकरण शोध एवं गुणवत्ता नियंत्रण के मुख्य अभियंता को दी

गई है. क्षेत्रीय स्तर से एनओसी में निहित शर्तों के अनुपालन की रिपोर्ट लेकर मुख्यालय को समर्पित करने का निर्देश अभियंताओं को दिया गया है.पहले 5 वर्षों के लिए जांच का निर्णय लिया गया था, लेकिन जल संसाधन विभाग की समीक्षा में यह बात सामने आई कि गड़बड़ी की आशंका इसके पहले की भी हो सकती है. ऐसे में जिन विभागों या जिलों में पुल-पुलियों का निर्माण हुआ है, उसको दिए गए अनापत्ति प्रमाण पत्र की शर्तों का कितना अनुपालन किया गया है, इसकी जांच होगी. तय मापदंड का पालन किया गया है या नहीं और शर्तों का उल्लंघन किस स्तर पर किया गया है और उसके कारण पुल पुलियों पर क्या असर पड़ा है, इन सब की जांच पड़ताल की जाएगी.

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ
पटना, शिक्षा विभाग के आदेश में कहा गया है कि अब नियोजित शिक्षक बीपीएससी शिक्षकों से जुनियर माने जाएंगे. वैसे नियोजित शिक्षक जो प्रभारी हेड मास्टर हैं उनको कुर्सी छोड़नी होगी. इसी बात को लेकर बिहार में बवाल बढ़ गया है. शिक्षा विभाग ने अपने आदेश में स्पष्ट किया है कि अगर किसी स्कूल में स्थाई हेडमास्टर नहीं है तो वहां हेडमास्टर का प्रभार पुराने वेतनमान वाले शिक्षक को सौंपना है. शिक्षा विभाग ने आदेश में कहा है कि किसी स्कूल में पुराने वेतनमान वाले शिक्षकों से जो सीनियर हों, उन्हें प्रभारी प्रधानाध्यापक का जिम्मा सौंप देना है. ऐसे शिक्षकों की संख्या अब बहुत कम रह गई है. पुराने वेतनमान में अंतिम नियुक्ति 34 हजार शिक्षकों की हुई है, जो



सेवानिवृत्ति के कगार पर हैं. बता दें कि बिहार के ऐसे सैकड़ों स्कूल हैं जिसमे पुराने वेतनमान वाले शिक्षक नहीं हैं. इन स्कूल में प्रभारी हेडमास्टर का जिम्मा नियोजित शिक्षकों के जिम्मे है.बिहार में लगभग 70 हजार सरकारी स्कूल हैं. सरकारी स्कूलों में स्थाई हेडमास्टर के पद पर नियुक्ति नहीं

हुई है. नियुक्ति प्रक्रिया चल रही है. बीपीएससी हेडमास्टर पद के लिए रिजल्ट जारी करने वाला है इस कारण ज्यादातर स्कूल प्रभारी प्रधानाध्यापक के सहारे चलाये जा रहे हैं. शिक्षा विभाग ने अपने नए पत्र में ये बताया है कि किन शिक्षकों को प्रभारी प्रधानाध्यापक नियुक्त करना है.

नीतीश सरकार ने दरभंगा-पूर्णिया के IG बदले

14 आईपीएस अफसरों का तबादला



चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ
पटना, सरकार ने बुधवार देर रात दरभंगा-पूर्णिया के आईजी बदल दिए। इसी के साथ राज्य सरकार ने 14 आईपीएस अफसरों का तबादला भी किया है। गृह विभाग ने इसकी अधिसूचना जारी कर दी है। पूर्णिया के आईआईजी रहे विकास कुमार को बेगूसराय जबकि दरभंगा डीआईजी रहे बाबुराम को

तिरहुत क्षेत्र मुजफ्फरपुर के डीआईजी की जिम्मेदारी दी गई है। केंद्रीय प्रतिनियुक्ति से लौटे शालीन को बिहार विशेष सशस्त्र पुलिस (बी-सैप) का आईजी बनाया गया है। उनके पास विशेष कार्य बल (एसटीएफ) आईजी का अतिरिक्त प्रभार भी होगा। आईजी सुरक्षा रहे विनय कुमार को आईजी मुख्यालय की जिम्मेदारी मिली है।

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ
सिवान, सिवान के बड़हरिया थाना क्षेत्र के ज्ञानी मोड़ समीप बुधवार की शाम कुछ बेखौफ बदमाशों ने एक स्कॉर्पियों पर अंधाधुंध फायरिंग कर उसमें सवार एक युवक की हत्या कर दी। जबकि बदमाशों की गोली से एक अन्य युवक घायल हो गया। इस फायरिंग के बाद इलाके में दहशत का



माहौल है। ऐसा लग रहा है कि शहाबुद्दीन वाला दौर वापस आ गया हो।

मृतक की पहचान बड़हरिया थाना क्षेत्र के गोसी हाता निवासी शाहबाज आलम रूप में हुई ,जबकि घायल नदीम अली है। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर एसडीपीओ अजय कुमार सिंह व थानाध्यक्ष रूपेश कुमार वर्मा पहुंचकर जांच में जुट गए। पुलिस के अनुसार हत्या का कारण प्रथम दृष्टया जमीनी विवाद था।

आरोपी सद्दाम का पाकिस्तान से कनेक्शन

मोतिहारी में 2 लाख के जाली नोट के साथ 3 जालसाज गिरफ्तार



चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ
मोतिहारी, मोतिहारी पुलिस ने फर्जी नोट के जालसाजों का भंडाफोड़ किया है. जिसके तहत जाली नोट के सरगना सहित तीन तस्कर को दो लाख के नकली नोट के साथ गिरफ्तार किया गया है. तस्करों की गिरफ्तारी भारत नेपाल बॉर्डर हरैया ओपी क्षेत्र से हुई है. गिरफ्तार तस्कर से कई केंद्रीय एजेंसियां पूछताछ कर रही है. गिरफ्तार तस्कर नजरे सद्दाम का तार पाकिस्तान से जुड़े होने की बात सामने आ

रही है. मिली जानकारी के अनुसार पुलिस समेत केंद्रीय एजेंसियां जाली नोट के तस्कर नजरे सद्दाम को दबोचने के लिए पिछले कई महीनों से सक्रिय थी. लगभग एक माहिने पहले भी जांच एजेंसियों को नजरे सद्दाम के जाली नोट की खेप लेकर नेपाल से भारत आने की सूचना मिली थी. केंद्रीय एजेंसियों के अलावा पुलिस भी लगातार उसकी तलाश में थी. मोतिहारी एसपी कांतेश कुमार मिश्रा को गुप्त सूचना मिली कि

तस्कर नजरे सद्दाम अपने अन्य सहयोगियों के साथ नेपाल से भारत में प्रवेश करने वाला है. उसके बाद एसपी ने टीम बनाकर जाल बिछाया और रक्सौल अनुमंडल क्षेत्र से नजरे सद्दाम समेत तीन तस्करों को गिरफ्तार किया. जिनकी तलाशी लेने पर उनके पास से लगभग दो लाख रुपये के भारतीय जाली नोट बरामद हुए हैं. पुलिस और जांच एजेंसियां गिरफ्तार तस्करों को किसी अज्ञात जगह पर रख कर पूछताछ कर रही है. बताया जा रहा है कि नजरे

सद्दाम के एक माहिने पहले भारत आने की सूचना आईबी को मिली थी. जिसके बाद जांच एजेंसियों ने बॉर्डर पर उसकी गिरफ्तारी को लेकर सारी तैयारी कर ली थी लेकिन इस बात की भनक तस्कर को लग गई. जिस कारण नजरे सद्दाम ने अपना प्लान बदल दिया और वह नहीं आया. हालांकि पुलिस समेत तमाम केंद्रीय एजेंसियां बॉर्डर एरिया में लगातार सक्रिय रही और आखिरकार नजरे सद्दाम को गिरफ्तार करने में पुलिस को सफलता मिली.